

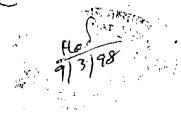
EXTRAORDINARY

भाग I--खण्ड 1

PART I-Section 1

पाधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं∙ 22] No. 22] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 26, 1998/माघ 6, 1919 NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 26, 1998/MAGHA 6, 1919

गृष्ठ मंत्रालय अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जनवरी, 1998

सं. 1/1/98-पिष्णक.— राष्ट्रपति भारतीय मूल के व्यक्तियों और अनिवासी भारतीयों सहित विदेशी राष्ट्रिकों को प्रदान किए जाने के लिए भारत सम्मान पुरस्कार का संस्थापन करते हैं । पुरस्कार को निम्नलिखित अनुसार विनियमित किया जाएगा :---

- इस पुरस्कार का नाम "भारत सम्मान पुरस्कार" होगा ।
- (2) ये पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा उनके हस्ताक्षर और मोहरयुक्त सनद द्वारा प्रदान किए जाएंगे ।
- (3) ये पुरस्कार प्रतिवर्ष भारतीय मूल के उन व्यक्तियों तथा अनिवासी भारतीयों को प्रदान किए जाएंगे जिन्होंने विदेशों में भारत के संबंध में बेहतर समझ बनाने तथा भारत के निमित्त और अन्तर-राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय हितों के संवर्धन के लिए योगदान किया हो ।
- (4) ये प्रस्कार प्रशस्तिपत्र के रूप में होंगे।
- (5) पुरस्कारों के लिए व्यक्तियों का चयन एक पुरस्कार समिति करेगी जिसके अध्यक्ष भारत के उप-राष्ट्रपति होंगे ।

यशवन्त राज, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 26th January, 1998

No. 1/1/98-Public.— The President is pleased to institute the Bharat Samman Award to be conferred on foreign nationals including persons of Indian origin and non-resident Indians. The regulations for the Award will be as set out below:—

- (1) The Award shall be known as the "Bharat Samman Award".
- (2) The Awards shall be conferred by the President by a Sanad under his hand and seal.
- (3) The Awards shall be given annually to the foreign nationals including persons of Indian origin and non-resident Indians who have contributed towards fostering better understanding of India abroad, and for their support to the cause of India and for promotion of India's interests internationally.
- (4) The Awards shall be in the form of citation.
- (5) The selection of the persons for the Awards would be made by an Awards Committee to be chaired by the Vice-President of India.

YASHWANT RAJ, Jt. Secy.

219 G I/ 98